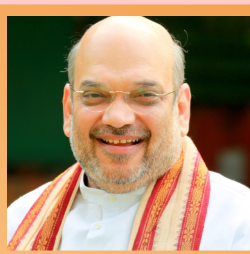

प्रेरणास्रोत
माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी

माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी ने दिखाया हिन्दी के प्रति गहरा सम्मानः डॉ. बिपिन कुमार

विश्व हिन्दी परिषद

द्वारा आयोजित

अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन

20-21 सितम्बर, 2023

विज्ञान भवन, नई दिल्ली

विश्व हिन्दी परिषद द्वारा नई दिल्ली में अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन का भव्य आयोजन

विश्व हिन्दी परिषद द्वारा आयोजित अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन में भारत सरकार के गृह राज्यमंत्री श्री अजय कुमार मिश्र जी को विश्व हिन्दी परिषद के महासचिव एवं सम्मेलन संयोजक डॉ. बिपिन कुमार, सम्मेलन सह-संयोजक श्री दीपक ठाकुर जी, पूर्व सांसद डॉ. अरूण कुमार, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अपर सचिव श्री शांतमनु जी, आज तक के मुख्य संपादक श्री सुधीर चौधरी जी के द्वारा सम्मानित किया गया।

सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री

Prime Minister

संदेश

राष्ट्रकवि श्री रामधारी सिंह दिनकर जी की 115वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन। यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि इस अवसर पर विश्व हिन्दी परिषद द्वारा दिल्ली में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

दिनकर जी की कालजयी रचनाओं ने हर आयु, पीढ़ी और वर्ग के लोगों को प्रभावित किया है। अपनी लेखनी में विषयों के चुनाव को लेकर उनकी दूरदर्शिता प्रभावशाली थी और उनका साहित्य आज भी अत्यंत प्रासंगिक नजर आता है।

उनके शब्दों में असीम सामर्थ्य है, जो लोगों के अंतर्मन को छूकर, उनके विचारों को व्यवहार में बदलने का साहस देते हैं। कालांतर में उन्होंने सामाजिक परिस्थितियों को ना केवल टटोला, समझा, बल्कि अपनी रचनाओं के जरिए उनके समाधान का रास्ता भी सुझाया।

उनकी सशक्त लेखनी ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लोगों में आजादी की अलख जगाई, आजादी के बाद लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए जनमानस में चेतना का संचार किया। उनकी प्रगतिशील एवं मानवतावादी विचारधारा का स्पष्ट प्रभाव उनकी कविताओं में नजर आता है।

सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विपुल साहित्य से हिन्दी को समृद्ध करने वाले श्री रामधारी सिंह दिनकर जी का सभी भारतीय भाषाओं के प्रति अनुराग था। वह कहा करते थे कि भारतीय संस्कृति और परंपराएं यहां की भाषाओं में जीती हैं। उनका मानना था कि भारत में विभिन्न भाषाओं की मूल भावना, उनकी आत्मा एक है और इन भाषाओं में लिखे गए साहित्य अंतत: हमें विचारों की एकता से जोड़ते हैं।

आशा करता हूं कि इस सम्मेलन में भाग ले रहे सभी प्रबुद्धजनों के बीच दिनकर जी के सृजनात्मक कार्यों पर सार्थक चर्चा होगी। इस विश्वास के साथ कार्यक्रम की सफलता के लिए अनेक शुभकामनाएं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
भाद्रपद 24, शक संवत् 1945
15 सितम्बर, 2023

सेवा में,
डॉ. बिपिन कुमार
महासचिव
विश्व हिन्दी परिषद, नई दिल्ली

विश्व हिन्दी परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मंच से संबोधित करते हुए मुख्य अतिथिगण

''हिंदी भाषा भारतीय संस्कृति और सभ्यता की परिचायक है, जो हमारे जीवन मूल्य, संस्कृति, संस्कारों की सच्ची संवाहक और संप्रेषण भी है।''

-सुश्री अनुसुइया उइके जी, महामहिम राज्यपाल मणिपुर

''राष्ट्रकवि श्री दिनकर एक ऐसे कवि थे जो मानव मात्र के दु:ख-दर्द और पीड़ा को शिद्दत से महसूस करते थे, जिनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि था।''

-श्री लक्ष्मण आचार्य जी, महामहिम राज्यपाल सिक्किम

विश्व हिंदी परिषद द्वारा 20–21 सितंबर 2023 को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन देश की राजधानी नई दिल्ली के विज्ञान भवन में किया गया। इस सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की 115वीं जयंती के अवसर पर किया गया। इस सम्मेलन का विषय 'राष्ट्रकवि दिनकर : हिंदी और राष्ट्रवाद' था। इस सम्मेलन में देश–विदेश से कई विद्वानों, कवियों, साहित्यकारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कारवाई। इस अवसर पर केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री 'श्री अजय मिश्र टेनी जी', मणिपुर की महामहिम राज्यपाल 'सुश्री अनुसुईया उईके जी', सिक्किम के महामहिम राज्यपाल 'श्रीमान लक्ष्मण आचार्य जी', दिनकर जी के पौत्र 'श्री अरविन्द कुमार सिंह जी', आज तक के मुख्य संपादक 'श्री सुधीर चौधरी जी' तथा देश के प्रख्यात संतों का सानिध्य प्राप्त हुआ जिनमें परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज एवं स्वामी सर्वलोकानंद महाराज, सचिव रामकृष्ण मिशन आश्रम प्रमुख थे तथा अन्य कई विभूतियों ने 'दिनकर' जी पर अपने विचार एवं वक्तव्य सामने रखे। इस कार्यक्रम में देश–विदेश से आये शोधार्थीयों, साहित्यकारों ने अपने शोध–पत्रों का वाचन किया। प्रसिद्ध कवियों द्वारा कविता पाठ भी किया गया। शोधार्थीयों, साहित्यकारों को विभिन्न सम्मनों से सम्मानित किया गया। आगामी वर्ष भी ऐसे अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के आयोजन की कामना करते हुए इस सम्मेलन का समापन किया गया।

देश के विभिन्न राज्यों के भिन्न-भिन्न विश्वविद्यालयों के विद्वान शिक्षकों एवं प्रतिभागियों की भव्य उपस्थिति

"दिनकर जी राष्ट्रवादी चेतना के एक उत्कृष्ट कवि ही नहीं, बल्कि उच्च कोटि के राजनीतिज्ञ भी थे। उनकी कविताओं ने न केवल हिंदी भाषा को समृद्ध बनाया है बल्कि हरेक वर्ग और हर पीढ़ी के लिए उनकी कविताएं, उनका सृजन एक आदर्श हैं।"

-श्री अजय मिश्र टेनी जी, गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार

रामकृष्ण मिशन आश्रम, दिल्ली के सचिव स्वामी सर्वालोकनंद जी को सम्मानित करते हुए सम्मेलन सह-संयोजक श्री दीपक ठाकुर।

सम्मेलन में मंच पर उपस्थित अतिथिगणरू फिजी उच्चायोग के श्री निलेश रोनेल कुमार जी, त्रिनिदाद और टोबैगो के उच्चायुक्त डॉ० रोजर गोपाल जी, सूरीनाम गणराज्य के राजदूत श्री अरुण कोमर हार्डियन जी, मॉरिशस के उच्चायुक्त श्री हेमंडयाल डिलम जी एवं ग्लोबल ओपन यूनिवर्सिटी नागालैंड के कुलाधिपति प्रो० प्रियरंजन त्रिवेदी जी।

विदेशों से आए हिन्दी प्रेमी विद्वानों एवं प्रतिनिधि

नीदरलैण्ड से सम्मेलन में विशेष अतिथि के तौर पर आयी अन्तरराष्ट्रीय लेखिका एवं हिन्दी विदुषि डॉ. पुष्पिता अवस्थी मंच से संबोधित करते हुए

मॉरिशस से आयी अंतरराष्ट्रीय लेखिका श्रीमती कल्पना लालजी जी को सम्मानित करते हुए मणिपुर के महामहिम राज्यपाल एवं स्वामी चिदानंद सरस्वती।

लंदन से आयी सोशल मीडिया में हिन्दी भाषा को संर्वधित करने हेतु सुश्री सिम्मी राठौड़ जी को सम्मानित करते हुए मणिपुर के महामहिम राज्यपाल।

परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती जी को सम्मानित करते हुए विश्व हिन्दी परिषद के अध्यक्ष श्री विनय भारद्वाज एवं गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्रीनिवास त्यागी।

श्री अरविन्द आश्रम के प्रतिनिधि पद्मश्री तारा दीदी को सम्मानित करते हुए मणिपुर के महामहिम राज्यपाल एवं परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती जी।

आईसीपीआर के सचिव श्री सच्चिदानंद मिश्र जी को सम्मानित करते हुए मणिपुर के महामहिम राज्यपाल एवं स्वामी चिदानंद सरस्वती जी।

श्री डी.पी. मिश्र जी, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के राजभाषा सलाहकार एवं उपाध्यक्ष, विश्व हिन्दी परिषद, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. राम नारायण पटेल जी सम्मेलन में देश-विदेश से पधारे अतिथियों एवं प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए।

डॉ. दीनदयाल जी, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, सम्मेलन में देश-विदेश से पधारे अतिथियों एवं प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए।

सिक्किम के महामहिम राज्यपाल श्री लक्ष्मण आचार्य जी को सम्मानित करते हुए सम्मेलन संयोजक डॉ० बिपिन कुमार।

राष्ट्रभाषा हिंदी की गरिमा और संरक्षण को बनाए रखने के लिए विश्व हिंदी परिषद जैसी लोक मंगल व सर्व कल्याणकारी संस्थाएं समर्थ और सक्रिय रूप से जो कार्य कर रही हैं वह हिन्दी के लिए बहुत ही श्रेष्ठ, सकारात्मक स्तुत्य प्रयास है।

-श्री सुधीर चौधरी, मुख्य संपादक आज तक

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री इंद्रेश कुमार जी को सम्मानित करते हुए गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्रीनिवास त्यागी।

दिल्ली विश्वविद्यालय के डा. श्रवण कुमार जी, मुख्य समन्वयक, अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन को सम्मानित करते हुए माननीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्री एस.पी. बघेल जी।

प्रो. संध्या वात्स्यायन जी, अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्व विद्यालय को सम्मानित करते हुए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री इंद्रेश कुमार जी, श्री लक्ष्मण आचार्य जी, महामहिम राज्यपाल सिक्किम एवं साधवी भगवती सरस्वती जी, परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश

प्रो. वेद प्रकाश जी, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, को सम्मानित करते हुए विश्व हिन्दी परिषद के महासचिव एवं सम्मेलन संयोजक डॉ. बिपिन कुमार एवं प्रो. संध्या वात्स्यायन जी, अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्व विद्यालय

राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राजभाषा सम्मान

राजभाषा में श्रेष्ठ तकनीकी प्रयोग के लिए गेल इण्डिया लिमिटेड को दिया गया राजभाषा सम्मान

राजभाषा में श्रेष्ठ तकनीकी प्रयोग के लिए स्टील ऑथोरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड को राजभाषा सम्मान से सम्मानित किया गया

राजभाषा में श्रेष्ठ तकनीकी प्रयोग के लिए एनएमडीसी को दिया गया सम्मान

राजभाषा में श्रेष्ठ तकनीकी प्रयोग के लिए कोल इंडिया को किया गया सम्मानित

राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन एवं राजभाषा के श्रेष्ठ तकनीकी प्रयोग के लिए मोइल को सम्मानित किया गया

महामहिम राज्यपाल मणिपुर द्वारा वरिष्ठ पत्रकारों को किया गया सम्मानित

श्री सुधीर चौधरी, मुख्य संपादक, आज तक को हिन्दी इलैक्ट्रोनिक मीडिया में उल्लेखनीय योगदान के लिए किया गया सम्मानित

श्री उदय कुमार जी, संपादक, अमर उजाला को हिन्दी प्रिन्ट मीडिया में उल्लेखनीय योगदान के लिए किया गया सम्मानित

श्री कमलेश रघुवंशी, संपादक, डिजिटल एडीशन, दैनिक जागरण को हिन्दी डिजिटल मीडिया में उल्लेखनीय योगदान के लिए किया गया सम्मानित

मीडिया में छाया रहा अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन

दैनिक भास्कर

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

विश्व हिंदी परिषद ने किया अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का दिल्ली विज्ञान भवन में भव्य आयोजन

हिंदी भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने हेतु विश्व हिंदी परिषद ने की मुहिम चलाने की घोषणा

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर जी को 'भारत रत्न' प्रदान किया जाय : डॉ विपिन कुमार

विश्व हिंदी परिषद द्वारा अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का भव्य कार्यक्रम दिल्ली के 'विज्ञान भवन' में सफलतापूर्वक संपन्न

दैनिक जागरण

सम्मेलन में दैनिक जागरण के डिजिटल संपादक कमलेश रघुवंशी हुए सम्मानित

अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में दैनिक जागरण के डिजिटल संपादक कमलेश रघुवंशी (मध्य) को सम्मानित कर स्मृति चिन्ह भेंट करतीं मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उईके (दाएं) और परमार्थ निकेतन आश्रम के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज (बाएं) ● चंद्र प्रकाश मिश्र

जागरण संवाददाता नई दिल्ली: हिंदी के प्रचार-प्रसार में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए दैनिक जागरण के डिजिटल संपादक कमलेश रघुवंशी को अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन-2023 में सम्मानित किया गया। यह दो दिवसीय सम्मेलन विश्व हिंदी परिषद द्वारा राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की 115वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया है। सम्मेलन के पहले दिन बुधवार को मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उईके और ऋषिकेश स्थित परमार्थ निकेतन आश्रम के प्रमुख स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कमलेश रघुवंशी को स्मृति चिह्न व तुलसी का पौधा भेंट कर सम्मानित किया। विज्ञान भवन में विश्व हिंदी परिषद की ओर से राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जयंती पर दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित

अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में दिनकर के पौत्र व साहित्यकार अरविंद कुमार सिंह तथा कवयित्री कीर्ति काले को भी सम्मानित किया गया। इस दो दिवसीय सम्मेलन में हिंदी के बढ़ते प्रभाव, चुनौतियों और आगे को कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हो रही है। इससे पहले, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी ने वैश्विक स्तर पर हिंदी के बढ़ते प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डाला।

पंजाब केसरी

रामधारी सिंह दिनकर ऐसे साहित्यकार थे जिन्हें सीमाओं में नहीं बांधा जा सकताः मिश्रा

रामधारी सिंह दिनकर की जयंती पर दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा ने किया नमन

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा का स्वागत करते डॉ. विपिन कुमार।

दैनिक सांध्यकालीन ललकार

SINCE 1949

www.lalkarnews.in

देश भर में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर जी को 'भारत रत्न' देने की मांग पकड़ी जोर

गृह मंत्री अमित शाह ने दिखाया हिंदी के प्रति गहरा सम्मान : डॉ. विपिन कुमार

वर्षों से राष्ट्र की सेवा में समर्पित

वीर अर्जुन

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर को भारत रत्न प्रदान किया जाए: डॉ विपिन कुमार

सम्मेलन विशेष

अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन के सुअवसर पर प्रकाशित स्मारिका का विमोचन करते हुए मंचासीन अतिथिगण।

मीडिया में छाया रहा अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन

Indresh Kumar
23 September at 13:06

आदरणीय डॉ. इंद्रेश कुमार जी ने २१ सितम्बर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर जी की ११५वीं जयंती के सुअवसर पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन में भाग लिया।

सिक्किम के महामहिम राजयपाल श्री लक्ष्मण आचार्य जी , केंद्रीय मंत्री श्री बघेल जी, साध्वी भगवती सरस्वती जी, डा रश्मि जी (IAS) सहित कई अन्य गणमान्य अतिथि भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कुछ झलकियां !!

Pujya Swami Chidanand Saraswatiji - Muniji
20 September at 19:30

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन में किया सहभाग
विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित समारोह
राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर जी की 115 वीं जयंती के सुअवसर पर आयोजित
साहित्यकारों को किया सम्मानित
हिन्दी भारतीय संस्कारों और संस्कृति से युक्त भाषा
हिन... See more

Laxman Acharya
21 September at 18:43

विश्व हिन्दी परिषद द्वारा आयोजित राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर जी की 115वीं जयंती के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन 2023 के समृद्ध कार्यक्रम का हिस्सा बनकर गर्व का अनुभव हुआ।
भाषा, साहित्य, और संस्कृति से जुड़े इस अद्वितीय कार्यक्रम के लिए विश्व हिन्दी परिषद का आभार । President of India PMO India Ministry of Home Affairs, Government of India Prem Singh Tamang-Golay विश्व हिंदी परिषद Vishwa Hindi Parishad Ministry of Education Ministry of Culture, Government of India

Ajay Misra Teni
20 September at 18:01

विश्व हिंदी परिषद द्वारा अयोजित अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में

दिनकर की कविताएं जनमानस के प्रेरणा का स्रोत-राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य

राष्ट्रकबि रामधारी सिंह दिनकर जी की 115वीं जयंती पर विश्व हिन्दी परिषद द्वारा दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन के दूसरे दिन समापन समारोह में सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण कुमार आचार्य ने कहा कि राष्ट्रकवि श्री दिनकर एक ऐसे कवि थे जो मानव मात्र के दु:ख- दर्द और पीड़ा को शिद्दत से महसूस करते थे, जिनके लिए राष्ट्र सिर्फ़ सर्वोपरि था। जिनकी कालजयी हुंकार भरती हुई ओजस्वी कविताएं एक साधारण किसान, एक श्रमिक से लेकर किसी स्कॉलर छात्र तक के लिए एक प्रेरणा का स्रोत रही हैं। विशिष्ट अतिथि साध्वी भगवती सरस्वती जी परमार्थ निकेतन निकेतन आश्रम, ऋषिकेश ने बताया की अक्सर लोग उनसे हिन्दी में बात करने पर अंग्रेज़ी में प्रतिक्रिया देते हैं। जबकि मैं अमेरिका से जब भारत में आई तब से लोगों से बातचीत करते-करते मैंने मेहनत से हिंदी सीखी है।

जागरण

होम ताज़ा वर्ल्ड कप 2023 चुनाव 2023 राष्ट्रीय शेयर बाजार मनोरंजन दुनिया लाइफस्टाइल

अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन 2023 का भव्य आयोजन

विश्व हिंदी परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की 115वीं जयंती के अवसर पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन 2023 का भव्य कार्यक्रम दिल्ली के विज्ञान भवन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ जिसमें विभिन्न सत्रों में हिन्दी भाषा साहित्यसंस्कृति व सत्ता अतुलित शब्द सामर्थ्य का स्मरण करते हुए उन्हें हिन्दी भाषा प्रगतिशीलता और मानवता के पक्षधर के रूप में ऋषितुल्य कालजयी कवि बताया।

By Jagran News
Edited By: Abhi Malviya
Published: Sat, 23 Sep 2023 04:37 PM (IST) Updated: Sat, 23 Sep 2023 04:37 PM (IST)

Facebook Twitter Whatsapp Google News

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की 115वीं जयंती के मौके पर अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन 2023 का भव्य आयोजन

Sudhir Chaudhary
20 September at 19:39

आज दिल्ली के विज्ञान भवन में विश्व हिन्दी परिषद द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन में मणिपुर की गवर्नर @AnusuiyaUikey जी से रामधारी सिंह 'दिनकर' हिन्दी सेवा सम्मान प्राप्त किया।
ये मेरा ही नहीं बल्कि उन करोड़ों दर्शकों का सम्मान है जिनके प्यार और विश्वास ने मुझे यहाँ तक पहुँचाया।

Nikki Kashyap, Vivekanand Shandil and 2.5K others 269 comments 30 shares

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की 115वीं जयंती के अवसर पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न

विश्व हिंदी परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की 115वीं जयंती के अवसर पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन 2023 का आयोजन दिल्ली के 'विज्ञान भवन' में सफलतापूर्वक संपन्न

विश्व हिंदी परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की 115वीं जयंती के अवसर पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन 2023 का आयोजन दिल्ली के 'विज्ञान भवन' में सफलतापूर्वक संपन्न. हुआ। जिसमें देश की जानी-मानी हस्तियों ने राष्ट्र कभी दिन करके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया। किसके साथ हिंदी के व्यापक विचार प्रसाद पर जो दिया गया।

दिनकर राष्ट्रवादी चेतना के उत्कृष्ट कवि,-गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा

सम्मेलन में प्रथम दिवस पर उद्घाटन सत्र में उद्घाटनकर्ता गृह मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री अजय कुमार मिश्र ने दिनकर जी की अनेक कालजयी रचनाओं को उद्धृत करते हुए कहा कि दिनकर जी राष्ट्रवादी चेतना के एक उत्कृष्ट कवि ही नहीं, बल्कि उच्च कोटि के राजनीतिज्ञ भी थे। उनकी कविताओं ने न केवल हिंदी भाषा को समृद्ध बनाया है बल्कि हरेक वर्ग और हर पीढ़ी के लिए उनकी कविताएं, उनका सृजन एक आदर्श हैं ।इस अवसर पर आरंभ में विश्व हिंदी परिषद के महासचिव डॉ.विपिन कुमार ने दिनकर जी के महान व्यक्तित्व का स्मरण करते हुए कहा कि परिषद का इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन के पीछे हिंदी भाषा व हिंदी सेवियों के मध्य एक मजबूत पुल खड़ा करना है। इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय राजभाषा सम्मेलन में आलेख प्रकाशन, वाचन, कवि सम्मेलन, सम्मान के अलग-अलग प्रकल्पों के साथ हिंदी भाषा को संवैधानिक रूप से राष्ट्रभाषा बनाने के प्रति एक रचनात्मक व वैचारिक वातावरण खड़ा करने का भी परिषद का मूल उद्देश्य है।इस अवसर पर 'आज तक' हिन्दी समाचार चैनल के संपादक और ब्लैक एंड व्हाइट शो के मेज़बान सुधीर चौधरी ने बतौर अतिथि अपने वक्तव्य में कहा की राष्ट्रभाषा हिंदी की गरिमा और संरक्षण को बनाए रखने के लिए विश्व हिंदी परिषद जैसी लोक मंगल व सर्व कल्याण कारी संस्थाएं समर्थ और सक्रिय रूप से जो कार्य कर रही हैं वह हिन्दी के लिए बहुत ही श्रेष्ठ, सकारात्मक स्तुत्य प्रयास है। । उद्घाटन सत्र में जहानाबाद के पूर्व सांसद अरुण कुमार, विधान पार्षद शर्वेश कुमार, एन आइ ओ एएस के अध्यक्ष , विदुषी डॉ. सरोज शर्मा तथा इस उपभोक्ता मामलों खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अपर सचिव श्री शांतमनु ने भी अपने विचार रखे। सभी अतिथियों ने दिनकर जी के जीवन व उनके ओजस्वी कविताओं में उन्हें क्रांति व शांति का अमर दूत बताते हुए कहा कि दिनकर जी हिंदी साहित्य के वह सूरज हैं जिनका उजास हिंदी साहित्य नहीं हमारे समाज, संस्कृति और देश की देहरी को एक सदी से आलोकित कर रहा है और आगे भी करेगा।

विज्ञान भवन, नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का सफल आयोजन माननीय राज्यसभा सांसद श्री रामचंद्र जांगड़ा जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया गया। इस सम्मेलन में देश-विदेश के हजारों लोगों ने प्रतिभागी के तौर पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की 115वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया था। सम्मेलन में हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति और आधुनिकता पर विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में देश-विदेश के जाने-माने विद्वानों ने अपने विचार रखे। सम्मेलन का उद्घाटन गृह मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री अजय कुमार मिश्र ने किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी भाषा हमारी राष्ट्रीय भाषा है और इसका विकास करना हम सभी का कर्तव्य है। सम्मेलन में विभिन्न देशों के हिंदी प्रेमियों ने भी भाग लिया। उन्होंने अपने-अपने देश में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के बारे में बताया। कुल मिलाकर, यह सम्मेलन हिंदी भाषा के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन था। इस सम्मेलन ने हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए विश्व हिंदी परिषद नई दिल्ली की ओर से माननीय राज्यसभा सांसद श्री रामचंद्र जांगड़ा जी को बधाई।

-माननीय राज्यसभा सांसद श्री रामचंद्र जांगड़ा जी

"इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन के पीछे हिंदी भाषा व हिंदी सेवियों के मध्य एक मजबूत पुल खड़ा करना हमारा मुख्य ध्येय है। इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय राजभाषा सम्मेलन में आलेख प्रकाशन, वाचन, कवि सम्मेलन, सम्मान के अलग-अलग प्रकल्पों के साथ हिंदी भाषा को संवैधानिक रूप से राष्ट्रभाषा बनाने के प्रति एक रचनात्मक व वैचारिक वातावरण खड़ा करने का भी परिषद का मूल उद्देश्य है। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है की हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित होगी साथ ही यह एक विश्व भाषा भी बनेगी। मैं इस मंच से भारत सरकार से राष्ट्रकवि दिनकर जी को भारत रत्न प्रदान करने की मांग करता हूँ।"

-डॉ. बिपिन कुमार जी, राष्ट्रीय महासचिव, विश्व हिन्दी परिषद

अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन-2023 का शानदार समापन

देश के विभिन्न राज्यों के भिन्न-भिन्न विश्वविद्यालयों के विद्वान शिक्षकों एवं प्रतिभागियों का सम्मान

विश्व हिन्दी परिषद

एस.32, प्रथम तल, उपहार सिनेमा व्यवसाय परिसर, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110016, फोनः 011-35940037

vishwahindiparishadoffice@gmail.com @vishwahindiparishad http://www.vishwahindiparishad.org/

85860 16348